

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ‘अभियुक्ता’
दिनांक 26.6.2019. पृष्ठ सं. 6 कॉलम 7-8

सेवानिवृत्त कर्मचारी सम्मानित एचएयू में विदाई समारोह का आयोजन



सेवानिवृत्त कर्मचारियों के साथ कुलपति प्रो. केपी सिंह व अन्य स्टाफ मदम्हा।

अमर उजाला छ्यूरो

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में शानिवार को सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में कुलपति प्रो. केपी सिंह ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। उन्होंने मई माह में सेवानिवृत्त हुए विश्वविद्यालय के कर्मचारियों को शाल और स्मृति चिह्न भेट करके सम्मानित किया।

इस अवसर पर कुलपति ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों के सुखद भविष्य की कामना करते हुए उनको सेवाओं की प्रश়ংসन की। उन्होंने कहा कि वे अपने आप को सेवानिवृत्त न समझें, बल्कि जबकि को व्यस्त रखकर परिवार व समाज को अपनी सेवाएं प्रदान करें।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के वित्त

नियंत्रक डॉ. अनुल ढीपा ने कहा कि इस विश्वविद्यालय के दरबाजे सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए सदैव सुख है। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. चौआर कंबोज और कुलपति के विशेष कार्य अधिकारी डॉ. एम्पके गर्ग भी उपस्थित थे।

ये हुए सेवानिवृत्त

विश्वविद्यालय से, मई माह में कुल दो शिक्षक-वैज्ञानिक और नौ ऐश्विक कर्मचारी सेवानिवृत्त हुए। शिक्षक-वैज्ञानिकों में प्रोफेसर डॉ. सलीम मिद्दकी व मुख्य विमार विशेषज्ञ डॉ. आरएस चौहान, जबकि ऐश्विक कर्मचारियों में टारंग फूला राम, सहायक विग्रेस राधा सीनी, लालबेरी अटेंडेंट बंद्रभान, कुक रमेशचंद्र, लैब तकनीशियन दिलबाग सिंह, एम्पके अंबलवर कपर्सोर सिंह, मैसेजर रमेशनाथ और बेलदार मनवीर सिंह व विव कहान्दुर शमिल हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दीन क भर-का
दिनांक .2.6.2019 पृष्ठ सं. 2 कॉलम 7-8

एचएयू में 11 वैज्ञानिक व गैर शिक्षक कर्मचारियों को दी विदाई



एचएयू में सेवानिवृत्त वैज्ञानिकों व गैर शिक्षक कर्मचारियों के साथ एचएयू के कुलपति प्रो केपी सिंह, रजिस्ट्रार बी आर कांबोज।

हिसार | चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में शनिवार को कुल 2 शिक्षक/वैज्ञानिक तथा 9 गैरशिक्षक कर्मचारी सेवानिवृत्त हुए, जिन्हें विदाई समारोह में सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में कुलपति प्रो. केपी सिंह मुख्य अतिथि थे। उन्होंने मई माह में सेवानिवृत्त हुए विश्वविद्यालय के कर्मचारियों को सम्मानित किया। कुलपति ने इन सेवानिवृत्त कर्मचारियों के सुखद भविष्य की कामना करते हुए उनकी सेवाओं की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि वे अपने आप को सेवानिवृत्त न समझें बल्कि स्वयं को व्यस्त रखकर परिवार व समाज को

अपनी सेवाएं प्रदान करें। इस दौरान वित्त नियंत्रक डॉ. अतुल ढींगरा, रजिस्ट्रार डॉ. बीआर कम्बोज भी उपस्थित रहे। ये शिक्षक व कर्मचारी हुए सेवानिवृत्त शिक्षकों, वैज्ञानिकों में प्रोफेसर डॉ. सलीम सिद्दीकी व मुख्य विस्तार विशेषज्ञ डॉ. आर.एस. चौहान जबकि गैर शिक्षक कर्मचारियों में टर्नर फूला राम, सहायक जगदीश राय सैनी, लाइब्रेरी एटेंडेंट चन्द्रभान, कुक रमेश चन्द्र, लैब तकनीशियन दिलबाग सिंह, प्लांट ऑब्जर्वर कश्मीर सिंह, मैसेंजर राम नाथ और बेलदार मनवीर सिंह व शिव बहादुर शामिल हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दौरःभूमि

दिनांक 26.6.2019 पृष्ठ सं. 12 कॉलम 1.....



**कुलपति ने सेवानिवृत
कर्मचारियों को किया
सम्मानित**

हिसार। हक्कि में आज सेवानिवृत कर्मचारियों के लिए बिदाई समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में कुलपति प्रो. केपी सिंह मुख्य अतिथि थे। उन्होंने मई माह में सेवानिवृत हुए विश्वविद्यालय के कर्मचारियों को शौल तथा स्मृति चिन्ह भेट करके सम्मानित किया। इस अवसर पर कुलपति ने इन सेवानिवृत कर्मचारियों के सुखद भविष्य की कामना करते हुए उनकी सेवाओं की प्रशंसा की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के वित्त नियंत्रक डॉ. अतुल ढीगरा ने सेवानिवृत हुए कर्मचारियों का स्वागत किया।

विश्वविद्यालय से मई माह में कुल 2 शिक्षक, वैज्ञानिक तथा 9 गैरशिक्षक कर्मचारी सेवानिवृत हुए। शिक्षकों, वैज्ञानिकों में प्रोफेसर डॉ. सलीम सिहकी व मुख्य विस्तार विशेषज्ञ डॉ. आरएस चौहान शामिल हैं। जबकि गैर शिक्षक कर्मचारियों में टनर फूलाराम, सहायक जगदीशराय सेनी, लाइब्रेरी एटेंडेंट चन्द्रभान, कुक रमेश चंद्र, लैब तकनीशियन दिलबाग सिंह, प्लांट ऑफिवर कश्मीर सिंह, मैसेंजर रामनाथ और बैलदार मनदीर सिंह व शिव बहादुर शामिल हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम

दीन के जागरण - पड़ाव के सरी

दिनांक २०.६.२०१९ पृष्ठ सं. २०, २ कॉलम १-२, ७-८

एवएयू के 11 कर्मचारी सेवानिवृत्त, कुलपति ने किया सम्मानित

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में शनिवार को सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए विदाई समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कुलपति प्रो. केपी सिंह मुख्य अतिथि थे। उन्होंने मई माह में सेवानिवृत्त हुए विश्वविद्यालय के कर्मचारियों को शौल और सृति चिह्न भेट करके सम्मानित किया। कुलपति ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों के सुखद भविष्य की कामना करते हुए उनकी सेवाओं की प्रशংসा की। उन्होंने कहा कि वे अपने आप को सेवानिवृत्त न समझें बल्कि स्वयं को व्यस्त रखकर परिवार व समाज को अपनी सेवाएं प्रदान करे। उन्होंने कहा उन्हें विश्वविद्यालय से जुड़े रहकर इसके विकास में भागना

सकारात्मक योगदान देना चाहिए। विश्वविद्यालय के वित्त नियंत्रक डा. अतुल ढीगरा ने सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों का स्वागत किया। इस अवसर पर कुलसचिव डा. वीआर कंबोज और कुलपति के विशेष कार्य अधिकारी डा. एमके गर्ग भी मौजूद थे। शिक्षकों/वैज्ञानिकों में प्रोफेसर डा. सलीम सिद्दीकी व मुख्य विस्तार विशेषज्ञ डा. आरएस चौहान, गैर शिक्षक कर्मचारियों में टर्नर फूला राम, सहायक जगदीश राय सेनी, लाइब्रेरी अटेंडेंट चन्द्रभान, कुक रमेश चंद्र, लैब तकनीशियन दिलबाग सिंह, प्लाट ॲब्जर्वर कश्मीर सिंह, मैसेंजर रामनाथ और बेलदार मनवीर सिंह व शिव बहादुर शामिल हैं।

हकूमि कुलपति ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों को किया सम्मानित

हिसार, 1 जून (ब्यूरो) : चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए विदाई समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में कुलपति प्रो. के.पी. सिंह मुख्य अतिथि थे। उन्होंने मई माह में सेवानिवृत्त हुए विश्वविद्यालय के कर्मचारियों को शौल तथा सृति चिन्ह भेट करके सम्मानित किया।

ज्ञात रहे कि विश्वविद्यालय से मई माह में कुल 2 शिक्षक/वैज्ञानिक तथा 9 गैर-शिक्षक कर्मचारी सेवानिवृत्त हुए। शिक्षकों/वैज्ञानिकों में प्रोफेसर डा. सलीम सिद्दीकी व मुख्य विस्तार विशेषज्ञ डा. आर.एस. चौहान जबकि गैर-शिक्षक कर्मचारियों में टर्नर फूला राम, सहायक जगदीश राय सेनी, लाइब्रेरी अटेंडेंट चन्द्रभान, कुक रमेश चन्द्र, लैब तकनीशियन दिलबाग सिंह, प्लाट ॲब्जर्वर कश्मीर सिंह, मैसेंजर राम नाथ और बेलदार मनवीर सिंह व शिव बहादुर शामिल हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम नं. ५४२
दिनांक ।।. ६. २०१७।। पृष्ठ सं. ६ कॉलम ।।. ३

हकृवि कुलपति ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों को किया सम्मानित



हिसार/०१ जून/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आज सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए विदाई समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में कुलपति प्रो. केपी सिंह मुख्य अतिथि थे। उन्होंने मई माह में सेवानिवृत्त हुए विश्वविद्यालय के कर्मचारियों को शॉल तथा स्मृति चिट्ठ भेंट करके सम्मानित किया। इस अवसर पर कुलपति ने इन सेवानिवृत्त कर्मचारियों के सुखद भविष्य की कामना करते हुए उनकी सेवाओं की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि वे अपने आप को सेवानिवृत न

समझें बल्कि स्वयं को व्यस्त रखकर परिवार व समाज को अपनी सेवाएं प्रदान करें। उन्होंने कहा उन्हें विश्वविद्यालय से जुड़े रहकर इसके विकास में अपना सकारात्मक योगदान देना चाहिए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के वित्त नियंत्रक डॉ. अतुल ढींगरा ने सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा इस विश्वविद्यालय के दरवाजे सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए सदैव खुले हैं वह अपने कार्य के लिए किसी भी समय यहां आ सकते हैं। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. बीआर कम्बोज और

कुलपति के विशेष कार्य अधिकारी डॉ. एम.के. गर्ग भी उपस्थित थे। विश्वविद्यालय से मई माह में सेवानिवृत्त हुए शिक्षकों/वैज्ञानिकों में प्रैफैसर डॉ. सलीम सिद्दकी व मुख्य विस्तार विशेषज्ञ डॉ. आरएस चौहान जबकि गैर शिक्षक कर्मचारियों में टनर फूला राम, सहायक जगदीश राय सैनी, लाइब्रेरी अटेंडेंट चन्द्रभान, कुक रमेश चन्द्र, लैब तकनीशियन दिलबाग सिंह, प्लांट ऑफर्वर कश्मीर सिंह, मैसेंजर राम नाथ और बेलदार मनवीर सिंह व शिव बहादुर शामिल हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम पाठ्कृत पत्र
दिनांक २-६-२०१७ पृष्ठ सं. २ कॉलम १-२

हकूमि कुलपति ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों को किया सम्मानित



हिसार, 2 जून (निस) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आज सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए बिदाई समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में कुलपति प्रो. के.पी. सिंह मुख्य अतिथि थे। उन्होंने मई माह में सेवानिवृत्त हुए विश्वविद्यालय के कर्मचारियों को शॉल तथा स्मृति चिन्ह भेंट करके सम्मानित किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के वित्त नियंत्रक डॉ. अतुल ढींगरा ने सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों का स्वागत किया। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. बी.आर. कम्बोज

और कुलपति के विशेष कार्य अधिकारी डॉ. एम.के. गर्ग भी उपस्थित थे। विश्वविद्यालय से मई माह में कुल 2 शिक्षक/वैज्ञानिक तथा 9 गैरशिक्षक कर्मचारी सेवानिवृत्त हुए। शिक्षकों/वैज्ञानिकों में प्रोफेसर डॉ. सलीम सिद्दकी व मुख्य विस्तार विशेषज्ञ डॉ. आर.एस. चौहान जबकि गैर शिक्षक कर्मचारियों में टर्नर फूला राम, सहायक जगदीश राय सैनी, लाइब्रेरी एटेंडेंट चन्द्रभान, कुक रमेश चन्द्र, लैब तकनीशियन दिलबाग सिंह, प्लांट ऑब्जर्वर कश्मीर सिंह, मैसेंजर राम नाथ और बेलदार मनवीर सिंह व शिव बहादुर शामिल हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम सिंह पत्र
दिनांक ।: ६ : २०१९ पृष्ठ सं. २ कॉलम ।-२

हकृवि कुलपति ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों को किया सम्मानित



हिसार। कुलपति प्रो. केपी सिंह सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सम्मानित करते हुए।

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आज सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए विदाई समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में कुलपति प्रो. केपी सिंह मुख्य अतिथि थे। उन्होंने मई माह में सेवानिवृत्त हुए विश्वविद्यालय के कर्मचारियों को शॉल तथा स्मृति चिन्ह भेंट करके सम्मानित किया। कुलपति ने इन सेवानिवृत्त कर्मचारियों के सुखद भविष्य की कामना करते हुए उनकी सेवाओं की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि वे अपने आप को सेवानिवृत्त न समझें बल्कि स्वयं को व्यस्त रखकर परिवार व समाज को अपनी सेवाएं प्रदान करें। उन्होंने कहा उन्हें विश्वविद्यालय से जुड़े रहकर इसके विकास में अपना सकारात्मक योगदान देना चाहिए।

विश्वविद्यालय के वित्त नियंत्रक डॉ. अतुल ढींगरा ने कहा इस विश्वविद्यालय के दरवाजे सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए सदैव खुले हैं वह अपने कार्य के लिए किसी भी समय यहां आ सकते हैं। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. बीआर कम्बोज और कुलपति के विशेष कार्य अधिकारी डॉ. एमके गर्ग भी उपस्थित थे।

विश्वविद्यालय से मई माह में कुल 2 शिक्षक/वैज्ञानिक तथा 9 गैरशिक्षक कर्मचारी सेवानिवृत्त हुए। शिक्षकों/वैज्ञानिकों में प्रोफेसर डॉ. सलीम सिद्दकी व मुख्य विस्तार विशेषज्ञ डॉ. आरएस चौहान जबकि गैर शिक्षक कर्मचारियों में टर्नर फूला राम, सहायक जगदीश राय सैनी, लाइब्रेरी एटेंडेंट चन्द्रभान, कुक रमेश चन्द्र, लैब तकनीशियन दिलबाग सिंह, प्लांट ऑफिचर करमीर सिंह, मैसेंजर राम नाथ और बैलदार मनवीर सिंह व शिव बहादुर शामिल हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम उजाला
दिनांक २६.७.२०१६ पृष्ठ सं. ६ कॉलम ८

परिरक्षण कम होने से 25-30% सब्जियां हो जाती हैं खराब

फल-सब्जी परिरक्षण विषय पर प्रशिक्षण शिविर संपन्न, वीसी की पत्नी डॉ. संजेश सिंह बतौर मुख्य अतिथि पहुंचीं

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। भारत फल-सब्जी उत्पादन में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है, लेकिन विकसित देशों के मुकाबले हमारे यहां फल-सब्जी का परिरक्षण बहुत कम होने के कारण फल व सब्जियों का लगभग 25-30% प्रतिशत हिस्सा खराब हो जाता है। इससे न केवल किसानों, बल्कि देश को भी आर्थिक हानि होती है।

यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह की पत्नी डॉ. संजेश सिंह ने कही। वे विश्वविद्यालय में फल-सब्जी परिरक्षण विषय पर अनुसूचित जाति वर्ग के लिए शनिवार को आयोजित प्रशिक्षण के समाप्त समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रही थीं।

उन्होंने कहा फल-सब्जियों में पाए जाने वाले विटामिन व खनिज लवण संतुलित आहार का मुख्य अंग है। परिरक्षण एक मात्र विधि है, जिसकी सहायता से न केवल फल-सब्जियों को खराब होने से बचाकर आर्थिक शक्ति को रोका जा सकता है, बल्कि कुपोषण की समस्या से भी निपटा जा सकता है। उन्होंने कहा मौसम में ये प्रचुर मात्रा में व सस्ते उपलब्ध रहते हैं। मौसम के बाद ये या तो मिलते नहीं और यदि मिल भी जाएं तो इनका मूल्य बहुत अधिक होता है। ऐसी परिस्थिति में



एचएयू में प्रशिक्षण शिविर की समाप्ति पर प्रशिक्षणार्थी को किट देती मुख्य अतिथि डॉ. संजेश सिंह। - अमर उजाला

मुख्य अतिथि ने 90 प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र व परिरक्षण के लिए उपयोगी सामान की किट वितरित की। कार्यक्रम में डीन स्नातकोत्तर शिक्षा डॉ. आशा कवात्रा, साइना नेहवाल शिक्षा संस्थान की सह निदेशिका डॉ. मंजु दहिया, डॉ. भूपेन्द्र सिंह, डॉ. रीटा गोयल, डॉ. सुरेन्द्र सिंह उपस्थित थे।

फल व सब्जियों का परिरक्षण एक बेहतर विकल्प है। उन्होंने कहा किसान, महिलाएं, बेरोजगार युवक व युवतियां फल-सब्जी परिरक्षण को लघु व कुटीर उद्योग के तौर पर अपना सकते हैं। उन्होंने

प्रशिक्षणार्थियों से आव्वान किया कि वे इस प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान को दूसरों में बाटे और समूह बनाकर व्यवसाय को आगे बढ़ाएं। साइना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान ने आयोजित किया कार्यक्रम: प्रशिक्षण का आयोजन विश्वविद्यालय के साइना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

दृष्टि में

समाचार-पत्र का नाम

दिनांक 26.06.2019 पृष्ठ सं. 12 कॉलम 1-6

हक्कि ने फल-सब्जी परिक्षण विषय पर प्रतिक्षण का आयोजन किया

फल सब्जी परिक्षण एक लाभकारी व्यवसाय : डॉ. संजेश

हरिमूर्गि न्यूज || हिसार

भारत फल-सब्जी उत्पादन में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। परन्तु कुलपति प्रौ. केपी सिंह की विकसित देशी धर्मपत्ती डॉ. संजेश सिंह ने कार्यक्रम में कारण फल के मुकाबले हमारे यहाँ फल - सब्जी का परिक्षण बहुत कम होने के कारण फल

व सब्जियों का लगभग 25-30 प्रतिशत हिस्सा खराब हो जाता है जिससे न केवल किसानों अपितु देश को आर्थिक हानि होती है। यह बात हक्कि कुलपति प्रौ. केपी सिंह की धर्मपत्ती डॉ. संजेश सिंह ने

विश्वविद्यालय में फल-सब्जी परिक्षण विषय पर अनुसूचित जाति वर्ग के लिए आयोजित प्रशिक्षण के समापन समारोह में बौतर मुख्य अतिथि बोलते हुए कही।

उन्होंने कहा फल-सब्जियों में पाए जाने वाले विटामिन व खनिज लवण संतुलित आहर का मुख्य अंग है। परिक्षण एक मात्र विधि है जिसकी सहायता से न केवलफल-सब्जियों को खराब होने से बचाकर आर्थिक क्षति को रोका जा सकता है अपितु कुपोषण की समस्या से भी निपटा जा सकता है।

उन्होंने कहा किसान, महिलाएं, बेरोजगार युवक व युवतियां फल-सब्जी परिक्षण को लघु व कुटीर

उद्योग के तौर पर अपना सकते हैं और अ छी आमदनी प्राप्त कर सकते हैं। डीन सातकोत्तर शिक्षा डॉ. आशा कवात्रा ने कहा कि छोटे स्तर पर कार्य शुरू करके ही आगे बढ़ा जा सकता है। उन्होंने कहा कि पहले अपने आस-पड़ोस से शुरू करके फिर गंतव व अन्य स्थान पर व्यवसाय को बढ़ाया जा सकता है। उपरोक्त प्रशिक्षणों का आयोजन विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा किया गया था। इस संस्थान की सहनिदेशिका, डॉ. मन्जु दहिया ने कहा कि यह संस्थान लोगों विशेषकर महिलाओं के उत्थान के



हिसार। मुख्य अतिथि डॉ. संजेश सिंह प्रशिक्षणार्थी को किट देते आयोजक।

लिए समय-समय पर तरह-तरह के इस अवसर पर डॉ. भुपेंद्र सिंह व डॉ. रीटा गोयल भी उपस्थित थे। प्रशिक्षण संयोजक डॉ. सुरेन्द्र सिंह ने प्रशिक्षण आयोजित करता रहता है। कार्यक्रम का संचालन किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम

भूनि क जगारा

दिनांक 26. 2. 2019 पृष्ठ सं 6 कॉलम 2.5

आयोजन

एचएयू में फल-सब्जी परिरक्षण विषय पर आयोजित प्रशिक्षण समारोह का समाप्त

बिना परिरक्षण के 30 फीसद फल-सब्जी हो जाते हैं खराब

जागरण संवाददाता हिसार : भारत फल-सब्जी उत्पादन में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। परंतु विकसित देशों के मुकाबले हमारे यहाँ फल-सब्जी का परिरक्षण बहुत कम होने के कारण फल व सब्जियों का लगभग 25-30 प्रतिशत हिस्सा खराब हो जाता है, जिससे न केवल किसानों अपितु देश को आर्थिक हानि होती है।

यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह की धर्मपत्नी डा. संजेश सिंह ने विश्वविद्यालय में फल-सब्जी परिरक्षण विषय पर अनुसूचित जाति वर्ग के लिए आयोजित प्रशिक्षण के समाप्त समारोह में बताई मुख्य अतिथि बोलते हुए कही। उन्होंने कहा कि फल-सब्जियों में पाए जाने वाले विटामिन व खनिज लवण संतुलित आहार का मुख्य अंग है।

परिरक्षण एक मात्र विधि है, जिसकी सहायता से न केवल फल-सब्जियों को खराब होने से बचाकर आर्थिक क्षति को रोका जा सकता है, अपितु कुपोषण



मुख्य अतिथि डा. संजेश सिंह प्रशिक्षणार्थी को किट देते हुए। • जागरण

की समस्या से भी निपटा जा सकता है। किसान, महिलाएं, बेरोजगार युवक व युवतियों फल-सब्जी परिरक्षण को लघु व कुटीर उद्योग के तौर पर अपना सकते हैं और अच्छी आमदानी प्राप्त कर सकते हैं।

कार्यक्रम

- विशेष शिविर में 90 प्रशिक्षणार्थियों ने लिया हिस्सा
- विशेषज्ञों की टीम ने प्रशिक्षणार्थियों को किया संबोधित

एवं शिक्षा संस्थान द्वारा किया गया था।

इस संस्थान की सहनिदेशिका डा. मन्जु दहिया ने कहा कि यह संस्थान लोगों विशेषकर महिलाओं के उत्थान के लिए समय-समय पर तरह-तरह के प्रशिक्षण आयोजित करता रहता है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने 90 प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र और परिरक्षण के लिए उपयोगी सामान की किट वितरित की।

इस दौरान डा. भुपेन्द्र सिंह व डा. रीटा गोयल भी उपस्थित थे। प्रशिक्षण संयोजक डा. सुरेंद्र सिंह ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस अवसर पर कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह सहित विश्वविद्यालय के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम

~~दैनिक भास्कर~~

दिनांक 20.6.2019. पृष्ठ सं. 6 कॉलम 2-3

25 फीसदी फल खराब रखरखाव से हो रहे नष्ट

पैकेजिंग हो तो व्यापार भी बढ़ा सकते हैं लोग

भास्कर न्यूज़ | हिसार

भारत फल-सब्जी उत्पादन में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। मगर विकसित देशों के मुकाबले हमारे यहां फल-सब्जी का रखरखाव ठीक ढंग से न होने के कारण इनका 25 से 30 प्रतिशत हिस्सा खराब भी हो जाता है। जिससे आर्थिक हानि के साथ नुकसान भी होता है। एचएयू में कुलपति की धर्मपली डॉ. संजेश सिंह ने विश्वविद्यालय में फल-सब्जी परिरक्षण विषय पर अनुसूचित जाति वर्ग के लिए आयोजित प्रशिक्षण के

समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए ये जानकारी दी। उन्होंने कहा फल-सब्जियों में पाए जाने वाले विटामिन व खनिज लवण संतुलित आहार का मुख्य अंग है। किसान, महिलाएं, बेरोजगार युवक व युवतियां फल-सब्जी परिरक्षण को लघु व कुटीर उद्योग के तौर पर अपना सकते हैं और अच्छी आमदानी प्राप्त कर सकते हैं। इस दौरान डीन स्नातकोत्तर शिक्षा डॉ. आशा कवात्रा ने कहा कि छोटे स्तर पर कार्य शुरू करके ही आगे बढ़ा जा सकता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम

नमू. दूर

दिनांक ।: ६. २०१९. पृष्ठ सं. ६. कॉलम ५४

फल-सब्जी परिरक्षण को लघु व कुटीर उद्योग के तौर पर अपनाएँ : सिंह



हिसार/०१ जून/रिपोर्टर

भारत फल-सब्जी उत्पादन में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। परन्तु विकसित देशों के मुकाबले हमारे यहां फल-सब्जी का परिरक्षण बहुत कम होने के कारण फल व सब्जियों का लगभग 25-30 प्रतिशत हिस्सा खराब हो जाता है जिससे न केवल किसानों अपितु देश को आर्थिक हानि होती है। यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह की धर्मपत्नी डॉ. संजेश सिंह ने विश्वविद्यालय में फल-सब्जी परिरक्षण विषय पर अनुसूचित जाति वर्ग के लिए आयोजित प्रशिक्षण के समाप्त समारोह में बताए मुख्य अतिथि बोलते हुए कही। उन्होंने कहा कि फल-सब्जियों में पाए जाने वाले विटामिन व

खनिज लवण संतुलित आहार का मुख्य अंग है। परिरक्षण एक मात्र विधि है जिसकी सहायता से न केवल फल-सब्जियों को खराब होने से बचाकर आर्थिक क्षति को रोका जा सकता है अपितु कुपोषण की समस्या से भी निपटा जा सकता है। उन्होंने कहा मौसम में ये प्रचुर मात्रा में व सस्ते उपलब्ध रहते हैं। मौसम के बाद ये या तो मिलते नहीं होते यदि मिल भी जाएं तो इनका मूल्य बहुत अधिक होता है। ऐसी परिस्थिति में फल व सब्जियों का परिरक्षण एक बेहतर विकल्प है। उन्होंने कहा किसान, महिलाएं, बेरोजगार युवक व युवतियां फल-सब्जी परिरक्षण को लघु व कुटीर उद्योग के तौर पर अपना सकते हैं और अच्छी आमदानी प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा स्थानीय पैदा

होने वाले व बाजार से सस्ते फल-सब्जी खरीदकर उनके विभिन्न उत्पाद बनाकर व उनकी अच्छी पैकिंग करके बेचने से अच्छा लाभ कमाया जा सकता है। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से आहवान किया कि वह इस प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान को दूसरों में बाटे और समूह बनाकर व्यवसाय को आगे बढ़ाए। इस व्यवसाय को शुरू करने के लिए बैंक व अन्य वित्तीय संस्थानों से ऋण की सुविधा ली जा सकती है। उन्होंने ऐसी अनेक महिलाओं का उद्घारण दिया जिन्होंने घरेलू स्तर पर परिरक्षण व्यवसाय आरंभ करके उसे बड़े स्तर पर ले जाकर भारी लाभ कमाया। डॉन स्नातकोत्तर शिक्षा डॉ. आशा कवात्रा ने कहा कि छोटे स्तर पर कार्य शुरू करके ही आगे बढ़ा जा

सकता है। उन्होंने कहा कि पहले अपने आस-पड़ोस से शुरू करके फिर गांव व अन्य स्थान पर व्यवसाय को बढ़ाया जा सकता है। विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान की सहनिदेशिका डॉ. मन्जु दहिया ने कहा कि यह संस्थान लोगों विशेषकर महिलाओं के उत्थान के लिए समय-समय पर तरह-तरह के प्रशिक्षण आयोजित करता रहता है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने 90 प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र और परिरक्षण के लिए उपयोगी सामान की किट वितरित की। इस अवसर पर डॉ. भूपेन्द्र सिंह व डॉ. रीटा गोयल भी उपस्थित थे। प्रशिक्षण संयोजक डॉ. सुरेन्द्र सिंह ने कार्यक्रम का संचालन किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम

प्र० ५१३८५४५

दिनांक २. ६. २०१९ पृष्ठ सं. ३ कॉलम ६.८

फल सब्जी परिरक्षण एक लाभकारी व्यवसाय: डॉ. संजेश सिंह

हिसार, २ जून (निस) : भारत फल-सब्जी उत्पादन में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। परन्तु विकसित देशों के मुकाबले हमारे यहां फल-सब्जी का परिरक्षण बहुत कम होने के कारण फल व सब्जियों का लगभग २५-३० प्रतिशत हिस्सा खराब हो जाता है जिससे न केवल किसानों अपितु देश को आर्थिक हानि होती है। यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह की धर्मपत्नी डॉ. संजेश सिंह ने विश्वविद्यालय में फल-सब्जी परिरक्षण विषय पर अनुसूचित जाति वर्ग के लिए आयोजित प्रशिक्षण के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोलते हुए कही। उन्होंने कहा कि सान, महिलाएं, बेरोजगार युवक व युवतियां फल-सब्जी परिरक्षण को लघु व कुटीर उद्योग के तौर पर अपना सकते हैं और अच्छी आमदानी प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा स्थानीय पैदा होने वाले व बाजार से सस्ते फल-सब्जी



खरीदकर उनके विभिन्न उत्पाद बनाकर व उनकी अच्छी पैकिंग करके बेचने से अच्छा लाभ कमाया जा सकता है। डीन स्नातकोत्तर शिक्षा डॉ. आशा कवात्रा ने कहा कि छोटे स्तर पर कार्य शुरू करके ही आगे बढ़ा जा सकता है। उन्होंने कहा कि पहले अपने आस-पड़ोस से शुरू करके फिर गांव व अन्य स्थान पर व्यवसाय को बढ़ाया जा सकता है। उपरोक्त प्रशिक्षणों का आयोजन विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा

किया गया था। इस संस्थान की सहनिदेशिका, डॉ. मन्जु दहिया ने कहा कि यह संस्थान लोगों विशेषकर महिलाओं के उत्थान के लिए समय-समय पर तरह-तरह के प्रशिक्षण आयोजित करता रहता है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने ९० प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र और परिरक्षण के लिए उपयोगी सामान की किट वितरित की। इस अवसर पर डॉ. भुपेन्द्र सिंह व डॉ. रीटा गोयल भी उपस्थित थे। प्रशिक्षण संयोजक डॉ. सुरेन्द्र सिंह ने कार्यक्रम का संचालन किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम सूर्य पत्र
दिनांक ।-६-२०१९ पृष्ठ सं. ३ कॉलम ३-६

फल सब्जी परिक्षण एक लाभकारी व्यवसायः डॉ. संजेश

हकृति में आयोजित प्रशिक्षण समारोह में 90 प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए

सिटी पल्स न्यूज़ूलैंड, हिसार। भारत
फल-सक्की उत्पादन में एक महत्वपूर्ण
स्थान रखता है। परन्तु विकसित देशों के
मुकाबले हमारे यहा फल-सक्की का
परिवर्तन बहुत कम होने के कारण फल
व सफ्टिज़ियों का साधारण 25-30 प्रतिशत
हिस्सा खराब हो जाता है जिससे न
केवल किसानों अपितु देश को आर्थिक
हानि होती है।

यह बात हरियाणा कुपि विश्वविद्यालय के कुलपती प्रो. केपी सिंह की पत्नी डॉ. मंजेश सिंह ने विश्वविद्यालय में फलन-सभ्यी परिषद्धण विद्या पर अनुमूलिक जाति वर्ग के लिए आयोजित प्रशिक्षण के समापन समारोह में बहीरं मराव अंतिम बोलते हुए कही।

उन्होंने कहा फल-सभ्यता में पाए जाने वाले विटामिन व सुनिज लवण संतुलित आहार का मख्ड़ा अंग है। परंपरागत एक मात्र विधि है जिसकी सहायता से न केवल फल-सभ्यता को



हिमार। मुख्य अतिथि डॉ. संजेश सिंह प्रशिक्षणार्थी को बिट देते हुए।

खराब होने से बचाकर आर्थिक शक्ति को रोका जा सकता है अपितु कुप्रयण की समस्या से भी निपटा जा सकता है।

उन्होंने कहा किसान, महिलाएँ, बेटेजगार युवक व युवतियां फल-सब्जी परिवर्णण को लघु च कृटीर उद्घोग के तीर पर अपना सकते हैं और अच्छी आमदनी प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा स्थानीय पैदा होने वाले व बाजार से सस्ते फल-सब्जी खुरीकर उनके विभिन्न उत्पाद

चौथरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

स्ट्री भोगी, नाम तजाला

समाचार-पत्र का नाम
दिनांक २:६:२०१९ पृष्ठ सं. १२, ६ कॉलम २-३, १-२

हकृति ने तबाकू को लेकर चलाया जागरूकता अभियान

हिसार। हकृति के छात्र कल्याण निवेदनालय द्वारा तबाकू निवेदन दिवस के उपलब्ध में विश्वविद्यालय के छात्राओं में जागरूकता अभियान घटाया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य छात्रों को तबाकू से होने वाले स्वास्थ्य नुकसान के विषय में सचेत करना और इसके लिये एक अवकाश अवलम्बन करना तबाकू को अवश्य करना रहा। इस अभियान के तहत अजला छात्रवाले ने एक कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें छात्र कल्याण निवेदनालय डॉ. वेंटेन सिंह दहिया नुकसान अधिकारी व उन्होंने कहा कि विश्व व्यास्था संगठन द्वारा १९४८ में विश्व तबाकू निवेदन की मुद्राजात की गई थी। युनियोन में तबाकू का इस्तेजाल अकाल नुकसान और बीमारियों का मुख्य कारण है। वर्तमान में युनियोन में हर साल ७० लाख से अधिक लोगों ने तबाकू के सेवन से हो रही है। कार्यक्रम के अंत में डॉ. दहिया ले छात्रों को धूकूपाल व अव्या विन्सी गी प्रकार के तबाकू उत्पादों के सेवन वर्ती करने की सलाह दिलाई और छात्रों को अपनी परिज्ञान, परिवर्ती व सहयोगिता को तबाकू के हुए प्रभावों से अवगत कराने व तबाकू का सेवन न करने के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। इस अवसर पर छात्रवाल सरकारी डॉ. प्रताप सिंह सांकेतिक, डॉ. मुरेश कुमार और राष्ट्रीय सेवा योजना के अधिकारी डॉ. भगत सिंह भी उपस्थित थे।



तबाकू बीमारियों का मुख्य कारण : दहिया



हिसार। चौथरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निवेदनालय द्वारा तबाकू निवेदन दिवस के उपलब्ध में शनिवार को विश्वविद्यालय के छात्राओं में जागरूकता अभियान घटाया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य छात्रों को तबाकू से होने वाले स्वास्थ्य नुकसान के विषय में सचेत करना और इसके नकारात्मक स्वास्थ्य प्रभावों से छात्रों को अवगत करना रहा। अभियान के तहत अवंता छात्राओं में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें छात्र कल्याण निवेदन डॉ. वेंटेन सिंह दहिया मुख्य अधिकारी थे। इस अवसर पर छात्राओं सरकारी डॉ. प्रताप सिंह सांकेतिक, डॉ. मुरेश कुमार और राष्ट्रीय सेवा योजना के अधिकारी, डॉ. भगत सिंह भी उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

भैनिक जारी

समाचार-पत्र का नाम

दिनांक ..2.6.2019.. पृष्ठ सं. 18..... कॉलम ...1-2.....

तंबाकू का सेवल अकाल मृत्यु का मुख्य कारण



छात्र कल्याण निदेशक डा. देवेंद्र सिंह दहिया छात्रों को शपथ दिलाते हुए।

जासं, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशकालय द्वारा तंबाकू निषेध दिवस के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय के छात्रावासों में जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत अंजनता छात्रावास में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें छात्र कल्याण निदेशक डा. देवेंद्र सिंह दहिया मुख्य अतिथि थे। उन्होंने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा 1988 में विश्व तंबाकू निषेध दिवस की शुरुआत की गई थी। दुनियाभर में तंबाकू का इस्तेमाल अकाल मृत्यु और बीमारियों

का मुख्य कारण है। वर्तमान में दुनियाभर में हर साल 70 लाख से अधिक मौतें तंबाकू के सेवन से हो रही हैं। उन्होंने कहा धूमपान और धुएं रहित तंबाकू बचाना दोनों ही समान रूप से जानलेवा है। इससे मनुष्य में मुख्य रूप से मुँह के कैंसर, फेफड़ों के कैंसर, हृदय रोग स्ट्रोक जैसी कई गंभीर बीमारियां हो जाती हैं। इसलिए लोगों को विशेषकर छात्रों को तंबाकू सेवन से दूर रहना चाहिए। इस अवसर पर छात्रावास संरक्षक डा. प्रताप सिंह सांगवान, डा. सुरेश कुमार और राष्ट्रीय सेवा योजना के अधिकारी, डा. भगत सिंह भी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम सिटी पल्स

दिनांक ।।-६।। २०।।१ पृष्ठ सं. २ कॉलम ।।७।।९।।

हकृति में तम्बाकू निषेध दिवस पर चलाया जागरूकता अभियान

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा तम्बाकू निषेध दिवस के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय के छात्रावासों में जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य छात्रों को तम्बाकू से होने वाले स्वास्थ्य नुकसान के विषय में सचेत करना और इसके नाकारात्मक स्वास्थ्य प्रभावों से छात्रों को अवगत कराना रहा।

इस अभियान के तहत अजन्ता छात्रावास में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेन्द्र सिंह दहिया मुख्य अतिथि थे। उन्होंने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा 1988 में विश्व तम्बाकू निषेध दिवस की शुरूआत की गई थी। वर्तमान में दुनियाभर में

हर साल 70 लाख से अधिक मौतें तम्बाकू के सेवन से हो रही है। उन्होंने कहा धूम्रपान और धुएं रहित तम्बाकू चबाना दोनों ही समान रूप से जानलेवा है। इसलिए लोगों विशेषकर छात्रों को तम्बाकू सेवन से दूर रहना चाहिए।

कार्यक्रम के अंत में डॉ. दहिया ने छात्रों को धूम्रपान व अन्य किसी भी प्रकार के तम्बाकू उत्पादों का सेवन नहीं करने की शपथ दिलाई और छात्रों को अपने परिजनों, परिचितों व सहयोगियों को तम्बाकू के बुरे प्रभावों से अवगत कराने व तम्बाकू का सेवन न करने के लिए प्रेरित करने का आहवान किया। इस अवसर पर छात्रावास संरक्षक डॉ. प्रताप सिंह सांगवान, डॉ. सुरेश कुमार और राष्ट्रीय सेवा योजना के अधिकारी, डॉ. भगत सिंह भी उपस्थित थे।

चौथरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम

निति २१५२-२१५३

दिनांक १-६-२०१९ पृष्ठ सं ३ कॉलम १-४

छात्रावासों में चलाया जागरूकता अभियान

हिसार, १ जून (निस)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा तम्बाकू निषेध दिवस के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय के छात्रावासों में जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य छात्रों को तम्बाकू से होने आले स्वास्थ्य नुकसान के विषय में सचेत करना और इसके नकारात्मक स्वास्थ्य प्रभावों से छात्रों को अवगत करना रहा।

इस अभियान के तहत अर्जता छात्रावास में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेन्द्र सिंह दहिया मुख्य अतिथि थे। उन्होंने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा 1988 में विश्व तम्बाकू निषेध दिवस की मूरुआत की



गई थी। दुनियाभर में तम्बाकू का इस्तेमाल अकाल मूल्य और बीमारियों का मुख्य कारण है। वर्तमान में दुनियाभर में हर साल 70 लाख से अधिक भौंति तम्बाकू के सेवन से हो रही है। उन्होंने कहा भूम्पान और खुए रहित तम्बाकू चबाना दोनों ही समान रूप से जानलेवा है। इससे मनुष्य में मुख्य रूप से मुँह के केंद्र,

फेफड़ों के केंद्र, हृदय रोग स्ट्रोक जैसी कई गंभीर बीमारियां हो जाती हैं। इसलिए लोगों विशेषकर छात्रों को तम्बाकू सेवन से दूर रहना चाहिए।

कार्यक्रम के अंत में डॉ. दहिया ने छात्रों को भूम्पान व अन्य किसी भी प्रकार के तम्बाकू उत्पादों का सेवन नहीं करने की शपथ दिलाई और छात्रों को

अपने परिजनों, परिचितों व सहयोगियों को तम्बाकू के भ्रुत प्रभावों से अवगत कराने व तम्बाकू का सेवन न करने के लिए प्रेरित करने का आहवान किया। इस अवसर पर छात्रावास संरक्षक डॉ. प्रताप सिंह सांगवान, डॉ. सुरेश कुमार और राधीय सेवा योजना के अधिकारी, डॉ. भगत सिंह भी उपस्थित थे।